जिलद—बाबत महकमा सब-रजिस्ट्रार

कीमत अशटाम्प नोट:—यह खाना इस किसम के नोटों के लिये भी इस्तेमाल हो सकते हैं जो मामूली किताब नं० 4 के खाना कैफियत में लिखे जाते हैं	नम्बर शुमार अन्दराज मुआमले केमालीयत और नोईयत और कीमत रजिस्ट्री व दीगर रसूम और तावान वसूल शुदा
	R. No. 130
किताब 5 नम्बर 323	लागत R.F.= 50.00 C.F. 3.00 Total: 53.00

Sub Registrar Sadar
Distt. Bilaspur (H.P.)

New Art Press JUC. 2074 Reg.

...al Government Judicial Paper

...मा जुज 1

...राम उर्फ कुब्रू उमर 54 साल वल्द तुलसीराम
...रू सकना रैंसीयां परगना व तहसील सदर ज़िला
...र हिमाचल प्रदेश का है, जो के मुज़हर ज़ईफ़ व
...रस्त है और कथ्द अर्सा से मामूली बिमार भी
...ता चला आता है इस लिये हर हाल में दीगरान
...दमत व परवरिश का मोहताज है, मुज़हर के 2
...रोशनलाल, सोहनलाल, 3 दुख्तरान मु गीता,
...ता, मु माया व ज़ौजा मु बस्सां मौजूद हैं
...मास्वाये सोहनलाल पिसर खुद के दीगर जुमला
...न खुद की शादीयां कर चुका है, दुख्तरान मज़कूरीयान
...जिन को के मुज़हर बवक्त करने शादीयां माकूल
...चुका है खुशअसलूबी से अपने अपने सुसराल
...द हैं, मुज़हर ने सोहनलाल मज़कूर पिसर खुद
...की भी सबील कर ली हुई है, मु बस्सां ज़ौजा
...भी ज़ईफ़ व लागर हो अकसर बिमार होती
...ती आने से दीगरान की खिदमत व परवरिश की
...हो चुकी है मुज़हर व मु बस्सां ज़ौजा मुज़हर की ऐसी
...में

...तनामा जुज 2

...ाल, सोहनलाल पिसरान मुज़हर ही हर तरह से मुज़हर व
...स्सां ज़ौजा मुज़हर की देख भाल व खिदमत व परवरिश
...व इलाज मुआलजा करवाते चले आते हैं मुज़हर
...बस्सां ज़ौजा मुज़हर खिदमात पिसरान मज़कूरान खुद
...त खुश हैं मुज़हर व मु बस्सां ज़ौजा मुज़हर को आयन्दा
...पिसरान मज़कूरान खुद से ऐसी ही खिदमात करते
...की तवक्का है हयात चन्द रोज़ा का कोई भरोसा ना
...इस लिये मुज़हर चाहता है के पिसरान मज़कूरान खुद
...जा खुद दे, मु बस्सां ज़ौजा मुज़हर भी यही चाहती है मुज़हर
...यही चाहती है, मुज़हर कथ्द जायदाद मनकूला व ग़ैर
...कूला वाहद पैदाकरदा खुद वाक्या रैंसीयां निहाल
...गाना सदर का मालक व काबज़ है सो मुज़हर जायदाद
...कूरा खुद पिसरान मज़कूरान खुद को देने का
...वाहां है, गो मुज़हर की जायदाद मज़कूरा मामूली
मालीयत की है, लेकिन अगलब है के बाद वफ़ात मुज़हर
जायदाद मज़कूरा मुज़हर की निस्बत कोई शख़्स तनाज़ा
किसी किसम को इस लिये अब मुज़हर बकायमी होश

(नक़ल)

Nº. 703548 A. 1 9 8 9 Himachal Government Judicial Paper

वसीयत नामा जुज़ 1

मनके कृष्णूराम उर्फ कृष्णू उमर 54 साल वल्द तुलसीराम वल्द जीऊराम सकना रैरीयां परगाना व तैहसील सदर ज़िला बिलासपुर हिमाचल प्रदेश का है, जो के मुज़हर ज़ईफ़ व लाग़र शख़्स है और कुछ अर्सा से मामूली बिमार भी होता रहता चला जाता है इस लिये हर हाल में दीगरान की ख़िदमत व परवरिश का मोहताज है, मुज़हर के 2 पिसरान रोशनलाल, सोहनलाल, 3 दुख़्तरान मु॰ गीता, मु॰ सुनीता, मु॰ माया व ज़ौजा मु॰ बस्सां मौजूद हैं मुज़हर मास्वाये सोहनलाल पिसर खुद के दीगर जुमला बच्चगान खुद की शादीयां कर चुका है, दुख़्तरान मज़कूरीयान मुज़हर जिन को के मुज़हर बवक़्त करने शादीयां माक़ूल दहेज दे चुका है खुशउसलूबी से अपने अपने सुसराल में आबाद हैं, मुज़हर ने सोहनलाल मज़कूर पिसर खुद की शादी की भी सबील कर ली हुई है, मु॰ बस्सां ज़ौजा मुज़हर भी ज़ईफ़ व लाग़र हो अकसर बिमार होती रहती चली आने से दीगरान की ख़िदमत व परवरिश की मोहताज हो चुकी है मुज़हर व मु॰ बस्सां ज़ौजा मुज़हर की ऐसी हालत में

वसीयत नामा जुज़ 2

रोशनलाल, सोहनलाल पिसरान मुज़हर ही हर तरह से मुज़हर व मु॰ बस्सां ज़ौजा मुज़हर की देख भाल व ख़िदमत व परवरिश करते व इलाज मुआलजा करवाते चले आते हैं मुज़हर व मु॰ बस्सां ज़ौजा मुज़हर ख़िदमात पिसरान मज़कूरान खुद से बहुत खुश हैं मुज़हर व मु॰ बस्सां ज़ौजा मुज़हर को आयन्दा भी पिसरान मज़कूरान खुद से ऐसी ही ख़िदमात करते रहने की तवक़्क़ो है हयात चन्द रोज़ा का कोई भरोसा ना है इस लिये मुज़हर चाहता है के पिसरान मज़कूरान खुद व ज़ौजा खुद दे, मु॰ बस्सां ज़ौजा मुज़हर भी यही चाहती है मुज़हर भी यही चाहती है, मुज़हर कुछ जायेदाद मनक़ूला व ग़ैर मनक़ूला वाहद पैदाकरदा खुद वाक्या रैरीयां व निहाल परगाना सदर का मालक व क़ाबज़ है सो मुज़हर जायेदाद मज़कूरा खुद पिसरान मज़कूरान खुद को देने का ख़्वाहां है, गो मुज़हर की जायेदाद मज़कूरा मामूली मालीयत की है, लेकिन अग़लब है के बाद वफ़ात मुज़हर जायेदाद मज़कूरा मुज़हर की निस्बत कोई शख़्स तनाज़ा किसी किस्म करे इस लिये अब मुज़हर बक़ायमी होश

कृष्णूराम उर्फ कृष्णू, मौसी मुज़हर
कलमबन्द

कृष्णूराम उर्फ कृष्णू, मौसी मुज़हर
कलमबन्द

30-6-90

[illegible]

[illegible] कार्यवाही ... [illegible]

लिखाई ... 4 ... [illegible] है।

[illegible] ... 723 ... है।

Sub Registrar Sadar
Distt. Bilaspur (H.P.)
30/6/90

वसीका वसीयत वाला हुआ कुन्थू राम उर्फ कुन्थू s/o तुलसीराम
पं.
सकना ... परगना - सदर तहसील सदर
जिला बिलासपुर हिमाचल प्रदेश ने आज दिनांक 30 जून 1990
बमुताबिक 9 आषाढ़ 1912 बरोज शनिवार
वक्त 3:00 बजे दिन कार्यालय सब रजिस्ट्रार
... में बराये रजिस्ट्रेशन पेश किया।

पेश कर्ता

2-7-1
कुन्थू राम
उर्फ कुन्थू

Sub Registrar Sadar
Distt. Bilaspur (H.P.)
30/6/90

मैं प्रमाणित करता हूँ कि पेश कर्ता ने अंगूठा निशान
मेरे सामने लगाया है।

Sub Registrar Sadar
Distt. Bilaspur (H.P.)
30/6/90

No 714260 1989 **Himachal Government Judicial Paper**

व हवास खुद बिला जबर व इकराह ग़ैरे किसी किस्म जुमला जायदाद मनकूला व ग़ैर मनकूला हर किस्म

वसीयत नामा जुज़ 3

खुदकी निस्बत हस्ब ज़ैल वसीयत करता व लिख देता है के जब तक मुज़हर हयात है जुमला जायदाद हर किस्म खुद का मालक व काबज़ है बाद वफ़ात मुज़हर जुमला जायदाद मनकूला व ग़ैर मनकूला हर किस्म मुज़हर वाक्या खैरीयां व निहाल परगना व तैहसील सदर ज़िला बिलासपुर हिमाचल प्रदेश या दिगर जहां कहीं भी वाक्या हो के रोशनलाल, सोहनलाल पिसरान कृष्णूराम उर्फ कृष्णू वल्द तुलसीराम साकना खैरीयां परगना व तैहसील सदर ज़िला बिलासपुर हिमाचल प्रदेश यानी पिसरान मुज़हर मौसी बहिस्सा मुसावी मालकान व काबज़ान तसव्वर हों गे, अलबता मुसम्मां जौजा मुज़हर के बाद वफ़ात मुज़हर भी हयात रहने की सुरत में ताहयात उस की खिदमत व परवरिश करने के रोशनलाल, सोहनलाल मौसीइलहम मज़कूरान ज़िम्मावार हों गे, बसुरत दीगर मुसम्मां मज़कूरीया का बार गुज़ारा जायेदाद हर किस्म मुज़हर मौसी पर हो गा, किसी भी दीगर शख्स का कोई ताल्लुक व वास्ता किसी किस्म किसी जायेदाद मुज़हर मौसी से ना हो गा, और हर दीगर वारस मुज़हर मौसी जायेदाद हर किस्म मुज़हर मौसी से मेहरूम तसव्वर होगा, रोशनलाल व सोहनलाल मौसीइलहम मज़कूरान ही बहिस्सा मुसावी कामल मालकान व काबज़ान जुमला जायेदाद मनकूला व

वसीयत नामा जुज़ 4

ग़ैर मनकूला हर किस्म मुज़हर मौसी के हों गे किसी भी दीगर शख्स को मुज़हर मौसी के वसीयत नामा हज़ा को तबदील या तनसीख करवाने का कोई हक हासल ना हो गा, मुज़हर मौसी ने पेशतर कोई दस्तावेज़ वसीयत नामा तैहरीर ना कराई है इस लिये वसीयत नामा हज़ा से पेशतर की हर दस्तावेज़ वसीयत नामा मिन्जानिब मुज़हर मौसी जाली व फ़र्ज़ी होने से रद्द तसव्वर हो गी और वसीयत नामा हज़ा पर पुरा पुरा अमल हो गा, लेहज़ा वसीयत नामा हज़ा लिख दिया के सन्द रहे/ तैहरीर

—— . —— . —— . —— . . : ता॰ 10

कृष्णूराम उर्फ कृष्णू, मौसी मज़कूर
अलअब्द

30.6.90

वसीका वसीयत नामा हुआ जो [illegible]

हरफ व हरफ पढ़कर सुनाया व समझाया गया। जिसने

[illegible] व तसदीक की [illegible]

[illegible] सही [illegible] किया [illegible]

श्री [illegible]

परिचित हैं [illegible] तस्दीक किया

जाता है दर्ज रजिस्टर होवे।

बेचा कर्ता — बनायक कर्ता

[illegible]

Sub Registrar Sadar
Distt. Bilaspur (H.P.)
30/6/90

[illegible] Home Guard B/s.

मैं प्रमाणित करता हूं कि बेचा कर्ता ने अंगूठा निशान [illegible] लगाया है।

Sub [illegible]
Distt. [illegible] 30/6/90

No 714261 1989 Himachal Government Judicial Paper

गुवाहशुद
अमरसिंह वल्द लेखराम वल्द गुलाबसिंह सकना खैरीयां परगना व तैहसील सदर ज़िला बिलासपुर हिमाचल प्रदेश
A Singh

अलबद
कृष्णूराम उर्फ कृष्णू मौसी मज़कूर

गुवाहशुद
बल्देवसिंह वल्द नेगीराम वल्द सन्तराम सकना खैरीयां परगना व तैहसील सदर ज़िला बिलासपुर हिमाचल प्रदेश
B Singh

हस्ब मुराद सायल लिखा गया सुन समझ कर दरुसत तसलीम किया। लेखक हरबंस सिंह अराइज़ व वसायक नवीस बिलासपुर (525 28/3/90) मोहर

(नोट) वसीयतनामा हज़ा 723 अल्फ़ाज़ पर मुशतमल है

तस्दीक

नकल मुताबिक असल है कोई लफ़्ज़ कटा फटा मशकूक या कम व बेश ना है।

नकल कुनिंदा हरबंस सिंह अराइज़ व वसायक नवीस बिलासपुर शामल 525 28/3/90

[illegible] at No. 130 in Book 3

[illegible] No. 94 on page/pages 59 [illegible]

[illegible] 50

Sub Registrar

Distt. [illegible]

30/6/86